



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-03-2025

सीतापुर(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-03-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-03-19	2025-03-20	2025-03-21	2025-03-22	2025-03-23
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	33.0	34.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	17.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	68	69	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	33	31	31	32	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	5	5	5	2
पवन दिशा (डिग्री)	301	323	326	321	31
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	1	1	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 30.0- 33.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 15.0-16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 62-75 और 31- 33% के बीच है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 4.0-10.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, जिसमें सामान्य से 2-3 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 30.0- 33.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 15.0-16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 62-75 और 31- 33% के बीच है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 4.0-10.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, जिसमें सामान्य से 2-3 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द, मूँग की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।
मौसम की स्थिति को देखते हुए भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द, मूँग की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी फसलों एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द , मूँग/ ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई / खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें। प्याज में थ्रिप्स कीट एवं बैंगनी धब्बा रोग के संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फसलों पर निगरानी रखने की सलाह दी जाती है। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी फसलों एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द , मूँग/ ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई / खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें। प्याज में थ्रिप्स कीट एवं बैंगनी धब्बा रोग के संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फसलों पर निगरानी रखने की सलाह दी जाती है। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मक्का, उर्द, मूँग/ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई एवं सरसों, आलू आदि परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मक्का, उर्द, मूँग/ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई एवं सरसों, आलू आदि परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की फसल दुग्धावस्था / दाना भरने की अवस्था में चल रही है, जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील है अतः किसान भाई आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिक फास्फाइट से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइट की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसों की फलियाँ 85 % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को धूप में सूखाकर मड़ाई करने के पश्चात बीज को अलग कर लें।
फील्ड पी	समय से बोई गई चने की परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई का कार्य करें। मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	समय से बोई गई चने की परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई का कार्य करें। चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	समय से बोई गई मक्के की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद करें, तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई का कार्य करें।
काला चना	समय से बोई उर्द की फसल की पहली सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करें, तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई का कार्य जायद उर्द की संस्तुति जातियाँ- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2, सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बीज की बुवाई करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूँग की संस्तुत प्रजातियाँ-नरेन्द्र मूँग-1, मालवीय जाग्रति, सम्राट, मूँग जनप्रिया, मेहा, एच0यू0एम-16, मालवीय ज्योति, टी0एम0वी0-37, मालवीय जन चेतना, आई0पी0एम0- 2-3, आई0पी0एम0- 2-14, कनिका, आज़ाद मूँग -1 हीरा, सूर्या, इत्यादि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, बुवाई का कार्य प्रारम्भ करें।
गेहूँ	गेहूँ की फसल दुग्धावस्था / दाना भरने की अवस्था में चल रही है, जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील है अतः किसान भाई आवश्यकतानुसार हल्की सिचाई कर उचित नमी बनाये रखे। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसों की फलियाँ 85 % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को धूप में सूखाकर मड़ाई करने के पश्चात बीज को अलग कर लें।
फील्ड पी	समय से बोई गई चने की परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई का कार्य करें। मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	समय से बोई गई चने की परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई का कार्य करें। चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	समय से बोई गई मक्के की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद करे, तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई का कार्य करें।
काला चना	समय से बोई उर्द की फसल की पहली सिचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करे, तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई का कार्य जायद उर्द की संस्तुति जातियाँ- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2, सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बीज की बुवाई करें।
मूँग	मूँग की संस्तुत प्रजातियाँ-नरेन्द्र मूँग-1, मालवीय जाग्रति, सम्राट, मूँग जनप्रिया, मेहा, एच0यू0एम-16, मालवीय ज्योति, टी0एम0वी0-37, मालवीय जन चेतना, आई0पी0एम0- 2-3, आई0पी0एम0- 2-14, कनिका, आज़ाद मूँग -1 हीरा, सूर्या, इत्यादि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, बुवाई का कार्य प्रारम्भ करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप दिखाई दे तो इसके रोकथाम हेतु मैकोजेब 0.25 % (0.25 ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोल बनाकर 15 -20 दिन के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें। कद्दूवर्गीय सब्जियों में कद्दू के लाल कीड़े का प्रकोप होने पर मैलाथियान 5 प्रतिशत धूल का बुरकाव प्रातः काल पौधों के तने के चारों ओर मिट्टी में मिलाये एवं पौधों पर बुरकाव करें। टमाटर, मिर्च आदि की ग्रीष्म कालीन फसल की रोपाई हेतु खेत की तैयारी करें साथ ही तैयार पौध की रोपाई करें।
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है। अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार हैं अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई. सी. 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
भिण्डी	प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप दिखाई दे तो इसके रोकथाम हेतु मैकोजेब 0.25 % (0.25 ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोल बनाकर 15 -20 दिन के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें। कद्दूवर्गीय सब्जियों में कद्दू के लाल कीड़े का प्रकोप होने पर मैलाथियान 5 प्रतिशत धूल का बुरकाव प्रातः काल पौधों के तने के चारों ओर मिट्टी में मिलाये एवं पौधों पर बुरकाव करें। टमाटर, मिर्च आदि की ग्रीष्म कालीन फसल की रोपाई हेतु खेत की तैयारी करें साथ ही तैयार पौध की रोपाई करें।
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है। अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई. सी. 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को खुरपका- मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन से तथा लंगड़िया बुखार की रोकथाम हेतु बी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण करायें।
भैंस	पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को खुरपका- मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन से तथा लंगड़िया बुखार की रोकथाम हेतु बी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण करायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों में रानीखेत बीमारी से रोकथाम हेतु एक सप्ताह के चूजों को एफ-1 तथा चार सप्ताह के चूजों को आर-2 वैक्सीन से टीकाकरण करायें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों में रानीखेत बीमारी से रोकथाम हेतु एक सप्ताह के चूजों को एफ-1 तथा चार सप्ताह के चूजों को आर-2 वैक्सीन से टीकाकरण करायें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द, मूँग की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।
मौसम की स्थिति को देखते हुए भिंडी, तरोई, कद्दू लौकी, खीरा, ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का, उर्द, मूँग की बुवाई एवं सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई /खुदाई कर फसल को सुरक्षित स्थान रखें।